

ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार : शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था कोल्हापूर संचलित

पद्मभूषण डॉ. वसंतरावदादा पाटील महाविद्यालय,

तासगाव

हिंदी विभाग

कौशल्य विकास कोर्स

हिंदी अनुवाद प्रमाणपत्र कोर्स

2020—21

श्री. आर. एस. मोटे
सहाय्यक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
पी.डी. व्ही. पी. कॉलेज, तासगाव
दि.01 दिसंबर 2020

सेवा में

मा. प्रधानाचार्य

पद्मभूषण डॉ. वसंतरावदादा पाटील महाविद्यालय, तासगाव,

जि. सांगली

विषय: कौशल्य विकास कोर्स की अनुमति के संबंध में...

महोदय,

उपरोक्त विषय के संदर्भ में आपसे नम्र निवेदन हैं कि हिंदी विभाग के सभी छात्रों के लिए छ सप्ताह का हिंदी अनुवाद प्रमाणपत्र कोर्स बहुत उपयोगी है। अतः शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए यह कोर्स शुरू करने की अनुमति की प्रार्थना करता हूँ।

धन्यवाद

भवदिय



श्री. आर. एस. मोटे
सहाय्यक प्राध्यापक
हिंदी विभाग
पी.डी. व्ही. पी. कॉलेज, तासगाव

ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार : शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था कोल्हापूर संचलित
पद्मभूषण डॉ. वसंतरावदादा पाटील महाविद्यालय, तासगाव

हिंदी विभाग

हिंदी अनुवाद प्रमाणपत्र कोर्स

2020–21

सूचना

महाविद्यालय के हिंदी विभाग के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है की विभाग की ओर से छः सप्ताह अवधि का 'हिंदी अनुवाद प्रमाणपत्र कोर्स' शुरू हो रहा है। अधिक जानकारी तथा प्रवेश के लिए समन्वयक से संबंध स्थापित करें।

श्री. आर. एस. मोटे

हिंदी विभाग प्रमुख
पी.डी.एच.पी. कॉलेज
तासगांव, जि. सांगली.

प्रधानाचार्य

प्रचार्य,
पद्मभूषण डॉ. वसंतरावदादा पाटील
महाविद्यालय, तासगांव (जि. सांगली)

ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार : शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था कोल्हापूर संचलित
पद्मभूषण डॉ. वसंतरावदादा पाटील महाविद्यालय, तासगाव

हिंदी विभाग

हिंदी अनुवाद प्रमाणपत्र कोर्स

2020-21

अध्ययन मंडळ

अ.क्र	नाम	पद	स्वाक्षरी
1	श्री आर.बी. मानकर	विभाग प्रमुख	
1	श्री. आर.एस. मोटे	समन्वयक	
2	डॉ.एस.वाय. शिंदे	सदस्य	
3	श्रीमती ए.टी. पाटील	सदस्य	



श्री. आर. एस. मोटे

हिंदी विभाग प्रमुख
पी.डी.एच.पी. कॉलेज
तासगांव, जि. सांगली.



प्रधानाचार्य

प्रधानाचार्य,
पद्मभूषण डॉ. वसंतरावदादा पाटील
महाविद्यालय, तासगाव (जि. सांगली)

ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार : शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था कोल्हापूर संचलित

पद्मभूषण डॉ. वसंतरावदादा पाटील महाविद्यालय, तासगाव

हिंदी विभाग

हिंदी अनुवाद प्रमाणपत्र कोर्स

2020–21

अवधि : छ सप्ताह

कुल अंक 100

40 + 60 = 100

पाठयक्रम

1) पाठयक्रम का उद्देश

- 1) हिंदी भाषा तथा अनुवाद का अध्ययन करना ।
- 2) अनुवाद के विविध रूपों से परिचित करना ।
- 3) छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना ।
- 4) हिंदी में कार्य करने की रुची विकसित करना ।
- 5) रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करना ।
- 6) राष्ट्रभाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना ।

2) अध्यापन पद्धती

- 1) व्याख्यान तथा विश्लेषण
- 2) ग्रंथालयो के माध्यम से अनुदित कृतियों का परिचय प्राप्त करना ।
- 3) संगोष्ठी स्वाध्याय

3) अध्ययनार्थ विषय :-

- 1) अनुवाद स्वरूप अर्थ परिभाषा ।

- 2) अनुवाद के प्रकार
 - 3) अनुवादक के गुण
 - 4) सफल अनुवाद के तत्व
 - 5) अनुवाद की उपयोगिता महत्व
- 4) प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

प्रश्न 1) समग्र पाठयक्रम पर दस बहुविकल्प प्रश्न	10
प्रश्न 2) समग्र पाठयक्रम पर टिप्पणीयों (चार में से तीन)	15
प्रश्न 3) समग्र पाठयक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (पाच में से तीन)	15
प्रश्न 4) समग्र पाठयक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (अंतर्गत विकल्प के साथ)	20
प्रश्न 5) दो अंग्रजी परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद	20
प्रश्न 6) दो मराठी परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद	20

संदर्भ ग्रंथ

- 1) अनुवाद चिंतन : डॉ. अर्जुन चव्हाण
- 2) अनुवाद विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी
- 3) अनुवाद स्वरूप एवं सिद्धांत : डॉ. के. पी. शहा
- 4) अनुवाद सिद्धांत एवं स्वरूप : डॉ. मोहन सराफ

ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार : शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था कोल्हापूर संचलित

पद्मभूषण डॉ. वसंतरावदादा पाटील महाविद्यालय, तासगाव

हिंदी विभाग

हिंदी अनुवाद प्रमाणपत्र कोर्स

2020—21

समय तासिका

अ.क्र	वार	1 ते 2	2 ते 3
1	सोमवार	RSM	SYS
2	मंगळवार	SYS	RSM
3	बुधवार	RSM	ATP
4	गुरुवार	ATP	RSM
5	शुक्रवार	RSM	SYS
6	शनिवार	ATP	SYS

RSM श्री. रमेश सोपान मोटे

SYS डॉ. सुरेश यशवंत शिंदे

ATP श्रीमती अनिता तात्यासो पाटील

श्री. आर. एस. मोटे

हिंदी विभाग प्रमुख
पी.डी.एच.पी. कॉलेज
तासगाव, जि. सांगली.

प्रधानाचार्य

प्राचार्य,
पद्मभूषण डॉ. वसंतरावदादा पाटील
महाविद्यालय, तासगाव (जि. सांगली)

ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार : शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था कोल्हापूर संचलित

पद्मभूषण डॉ. वसंतरावदादा पाटील महाविद्यालय, तासगाव

हिंदी विभाग

हिंदी अनुवाद प्रमाणपत्र कोर्स

2020—21

सूचना

सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि हिंदी विभाग की ओर से परिचलित हिंदी अनुवाद प्रमाणपत्र कोर्स की परीक्षा दि 22 फरवरी 2021 को सुबह 11 से 2 बजे तक आयोजित की है। अतः परीक्षार्थी छात्रों ने समय पर रूम नं. 22 में उपस्थित रहे।

श्री. आर. एस. मोटे

हिंदी विभाग प्रमुख
पी.डी.एच.पी, कॉलेज
तासगांव, जि. सांगली.

प्रधानाचार्य

प्रचार्य,
पद्मभूषण डॉ. वसंतरावदादा पाटील
महाविद्यालय, तासगाव (जि. सांगली)

ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार : शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था कोल्हापूर संचलित

पद्मभूषण डॉ. वसंतरावदादा पाटील महाविद्यालय, तासगाव

हिंदी विभाग

हिंदी अनुवाद प्रमाणपत्र कोर्स

2020—21

कुल अंक – 100

समय 3:00 घंटे

दिनांक 19/2/2021

सूचनाएं –1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. दाईं ओर लिखे हुईं अंक प्रश्न के पूर्णांक दर्शाते हैं।

प्रश्न 1 निम्नलिखित वाक्यों के नीचे दिए गए विकल्प चुनकर वाक्य फिर से कीजिए।

1) भारत जैसे देश में स्थिति है।

अ) एक भाषा ब) द्वि भाषा क) अभाषा ड) बहुभाषा

2) काव्यानुवाद का अनुवाद माना जाता है।

अ) पत्र ब) काव्य क) गद्य ड) शैली

3) वैज्ञानिक अनुवाद में को महत्व नहीं होता है।

अ) शैली ब) भाषा क) शक ड) सूत्र

4) 'मत छोडो मत जोडो' अनुवाद सूत्र का है।

अ) डॉ. भोलानाथ तिवारी ब) भगवानदास तिवारी

क) अजय तिवारी

ड) डॉ. राकेश तिवारी

5) संचार माध्यमों की भाषा के निकट होती है।

अ) नाट्य भाषा

ब) काव्य भाषा

क) पत्र भाषा

ड) जन भाषा

6) अनुवादक को कम से कम भाषाओं का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।

अ) एक

ब) दो

क) तीन

ड) चार

7) अनुवाद शब्द का संबंध धातू से है।

अ) वद

ब) अन

क) वदनू

ड) अनूज

8) कार्यालय अनुवाद के लिए गुण अपेक्षित है।

अ) अभिधा

ब) लक्षणा

क) व्यंजना

ड) प्रसाद

9) भाषांतर का प्रकार है।

अ) रूपांतर

ब) प्रतीकांतर

क) विषयांतर

ड) युगांतर

प्रश्न 2 रा निम्नलिखित में से तीन पर टिप्पणियां लिखिए।

अ) अनुवाद: अर्थ, परिभाषा

आ) कार्यालयीन अनुवाद

इ) काव्यानुवाद

ई) संचार माध्यम अनुवाद

उ) विज्ञापन के अनुवाद

प्रश्न 3 रा निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए

अ) अनुवाद की उपयोगिता एवं महत्व को स्पष्ट कीजिए

आ) साहित्यिक विधा के आधार पर अनुवाद के प्रकारों को स्पष्ट कीजिए

इ) वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद को स्पष्ट कीजिए

ई) अनुवाद के वैज्ञानिक पक्षको स्पष्ट कीजिए

प्रश्न 4 अनुवादक के गुणोंको स्पष्ट कीजिए

अथवा

सफल अनुवाद के तत्वों पर प्रकाश डालिए

प्रश्न 5 अ) निम्नलिखित अंग्रेजी परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए

market is a public place where buyers and sellers meet without restriction to buy and to sell the things they like weekly markets are held in villages where commodities are sold on barter standard cloth produced by well known mill at Ahmadabad has country wide market gold or silver can be bought and sold all over the world but vegetable or fruits cannot command such a wide market they can cater only to the needs of the people of the town or village.

ब) निम्नलिखित मराठी परिच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए

देशभक्ती याचा अर्थ आपण ज्या देशात जन्मलो, राहतो आणि मित्रपरिवारा समवेत राहतो त्याच्यावरचे प्रेम होय. देशभक्ती आम्हास आमच्या राष्ट्रीय आणि संस्कृतीक जीवनाकरीता स्फुर्ती देते तिच्यामुळे आमची सरकारबद्दलची निष्ठा वाढते सरकार देशाचे आणि समाजाचे संरक्षण व कल्याण करित असते याप्रमाणे देशभक्ती समाजाच्या कल्याणाला आणि उदात्त चरित्र घडविण्याकरिता कारणीभूत असते हिच्या मुळे सामान्य बंधूभाव सामाजिक, ऐक्य राजकीय स्वातंत्र्य आणि राष्ट्रीय संस्कृती विकसित होत असते.

“ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार” - शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे
Shree Swami Vivekanand ShikshanSanstha, Kolhapur
PadmabhushanDr.Vasatraodada Patil Mahavidyalaya, Tasgaon

DEPARTMENT OF HINDI
CERTIFICATE COURSE IN TRANSLATION
Registered Students List 2020-21

Sr.No	Roll No	Gender	Name of Student	Sign
1	1001	SHRI	ASANGI SHEKHAR TUKARAM	AST
2	1002	MISS	BHANDARE JYOTI BABASO	JBBhandare
3	1003	SHRI	CHAVAN AMOL ASHOK	CAHA
4	1004	MISS	JADHAV RUPALI RAVSAHEB	Jadav
5	1005	SHRI	JADHAV YOGESH NAMDEV	Y. N. Namdev
6	1006	MISS	KAMBLE POOJA SATISH	Kambles P.S.
7	1007	MISS	KAMBLE SWAPNALI MAHESH	Kambles S.M.
8	1008	MISS	KIRTAkar KOMAL ANIL	Kirtakar
9	1009	SHRI	MADANE SURAJ GOKULCHAND	Madane S.
10	1010	SHRI	MULLA IBRAHIM MAHAMADHANIF	Mulla
11	1011	MISS	PATIL DHANASHRI SHANKAR	D.S. Patil
12	1012	MISS	PATIL DIPALI YASHWANT	D.P. Patil
13	1013	MISS	PATIL GEETA SURESH	Geeta Patil
14	1014	MISS	PATIL NIKITA NARENDRA	N. N. Patil
15	1015	SHRI	PATIL PRATIK MAHADEV	P. M. Patil
16	1016	SHRI	PATIL RUSHIKESH VIJAYKUMAR	Rushikesh
17	1017	MISS	PATIL SONALI SUNIL	S. S. Patil
18	1018	SHRI	SHINDE VISHAL BHASKAR	V. B. Shinde
19	1019	SHRI	WAGH SWAPNIL UTTAM	Wagh S. U.
20	1020	SHRI	KAMBLE ADITYA MILIND	Kamble A. M.
21	1021	MISS	KAMBLE AMRUTA SHIVAJI	A. S. Kamble
22	1022	SHRI	KAMBLE BHUSHAN PRAKASH	Kamble B. P.
23	1023	SHRI	KAMBLE PREM VISHWANATH	Prem
24	1024	MISS	KAMBLE PRITI POPAT	K. P. Kamble
25	1025	SHRI	KAMBLE ROHIT YASHWANT	R. Y. Kamble
26	1026	MISS	KAMBLE RUTUJA SHEKHAR	Kamble R. S.
27	1027	MISS	KAMBLE SNEHAL VINOD	Snehal
28	1028	SHRI	KAMBLE SWANAND DAYANAND	S. D. Kamble
29	1029	SHRI	KAMBLE SWAPNIL KISHOR	S. K. Kamble
30	1030	MISS	KAMBLE SWITI VIKRAM	S. V. K.

31	1031	MISS	KAMBLE UJWALA SHANKAR	Kambles
32	1032	SHRI	KAMBLE VISHAL ANANDA	Kamble
33	1033	SHRI	KAPASE SHUBHAM KUNDLIK	anand n.g.
34	1034	SHRI	KATKAR DIPAK GAJANAN	Katkar D.G.
35	1035	SHRI	KHABALE ANIKET HARIDAS	Kamble A.H.
36	1036	SHRI	KHADE OMKAR MAHAVIR	omkar khale
37	1037	MISS	KHAIRMODE AARTI DIPAK	Aartikhairmode
38	1038	MISS	KHARADE PRAGATI ASHOK	Pragati Kh.
39	1039	SHRI	KHARADE VAIBHAV SAMBHAJI	Khare
40	1040	SHRI	KHARAMATE VISHAL RAMESH	Vishal Kh.
41	1041	SHRI	KHARAT SUDARSHAN SHRIKANT	Kharsat S.S.
42	1042	MISS	KHARMATE TANUJA BANDU	Kharmate B.
43	1043	SHRI	KHOT Koustubh JITENDRA	Khote J.
44	1044	SHRI	KOLEKAR RAHUL GAJANAN	R.G.Kolekar
45	1045	SHRI	KOLI PRATHMESH TANAJI	Koli P.T.
46	1046	SHRI	KUMBHAR ABHISHEK NANDKUMAR	Kumbhar
47	1047	MISS	KUMBHAR MONIKA SUDHIR	Kumbhar
48	1048	SHRI	LAD AKASH RAMCHANDRA	Lad
49	1049	MISS	LANDAGE PRANALI PANDURANG	Landage
50	1050	SHRI	LOKHANDE OMKAR ASHOK	Lokhande
51	1051	SHRI	LOKHANDE PRASAD SURYAKANT	Lokhande
52	1052	SHRI	MALI OMKAR RAJENDRA	Mali R.
53	1053	SHRI	MADANE ATUL APPASO	Madane R.
54	1054	MISS	MADANE KOMAL RAMESH	madane K.R.
55	1055	MISS	MADANE NIKITA RAJENDRA	malane N.
56	1056	MISS	MADANE POOJA CHANDRAKANT	Madane P.
57	1057	MISS	MAGDUM SAKSHI SANTOSH	S.S. Magdum
58	1058	SHRI	MAHAJAN PRADDMAN PRAKASH	Praddman P.
59	1059	SHRI	MALI ANIKET SAVANTA	mal A P.
60	1060	SHRI	MALI ARJUN SANJAY	Arjun Mali
61	1061	MISS	MALI ASAVARI BALASAHEB	Asavari Mali
62	1062	SHRI	MALI ATUL VITTHAL	mal A V.
63	1063	SHRI	MALI GAUTAM SUNIL	G.S. mali
64	1064	SHRI	MALI MAHESH ASHOK	Mali Mahesh
65	1065	MISS	MALI POONAM RAJKUMAR	Poonam Mali
66	1066	MISS	MALI PRANALI PRAMOD	P.R. mali
67	1067	SHRI	MALI RUSHIKESH VIJAY	Rushikesh Mali

68	1068	SHRI	MALI SATYJEET MACHINDRA	Malik
69	1069	SHRI	MALI SAURABH AVINASH	Malik
70	1070	MISS	MALI SHITAL BALASAHEB	Malik
71	1071	SHRI	MALI SHIVAM SANJAY	malik s.s.
72	1072	SHRI	MALI SWAPNIL CHANDRAKANT	S.C. malik
73	1073	MISS	BALLAL PALLAVI SHANKAR	Ballal P.S.
74	1074	SHRI	MALI VISHAL SAMBHAJI	Malik
75	1075	SHRI	MANDALE DHIRAJ MADHUKAR	Malik
76	1076	MISS	MANDALE SUCHITA PRAKASH	Malik
77	1077	SHRI	MANDALE SURAJ ANKUSH	Malik
78	1078	SHRI	MANDLE OMKAR PANDURANG	Malik
79	1079	SHRI	MANDLE RAHUL SANJAY	Malik
80	1080	SHRI	MANDLE VISHAL ARJUN	V.A. mandale
81	1081	SHRI	MANE ABHIJEET CHANDRAKANT	Mane
82	1082	SHRI	MANE ABHIJEET RAJENDRA	A.R. mane
83	1083	MISS	MANE AKSHADA NAMDEV	M.A.N.
84	1084	MISS	MANE BHARATI ARJUN	Bharati mane
85	1085	MISS	MANE KAJAL SUBHASH	K.S. mane
86	1086	SHRI	MANE KISHOR SUBHASH	Mane
87	1087	MISS	MANE PRATIBHA POPATRAO	Mane
88	1088	SHRI	MANE RAHUL BHAGWAN	R.B. mane
89	1089	SHRI	MANE SANGAPPA VITTHAL	S.J. mane
90	1090	SHRI	MANE SHUBHAM JALINDAR	Mane S.J.
91	1091	SHRI	MANE SHUBHAM PANDHARINATH	Mane S.J.
92	1092	MISS	MANE SNEHA DIPAK	S.P. mane
93	1093	MISS	MISAL SUMITRA RAJKUMAR	Misal
94	1094	MISS	MOHITE ANKITA BALASO	A.B. mohite
95	1095	MISS	MOHITE RESHMA RAMESH	Reshma mohite
96	1096	MISS	MOHITE RUTUJA HANMANT	Mohite
97	1097	SHRI	MOKASHI MAHAVIR BABASO	M.B. mokashi
98	1098	SHRI	MOMIN ASHRAF SAJID	A.S. momin
99	1099	MISS	MORE PRANALI AJIT	More
100	1100	SHRI	MORE PRATIK SANJAY	More
101	1101	SHRI	MUJAWAR ASIF KHALIL	A.K. mujawar
102	1102	SHRI	MULANI ALFAJ NOUSHADALI	Mulani A.N.
103	1103	SHRI	MULANI RIYAJ HAJISAB	Mulani R.H.
104	1104	MISS	MULANI RUTUJA LALASO	R.L. mulani

105	1105	MISS	MULANI SAMINABI SHABBIR	<i>Amir M. Cali</i>
106	1106	MISS	MULANI SANIYA FIROJ	<i>S.F. Melembi</i>
107	1107	SHRI	MULANI SUHEL ISMAIL	<i>Suleelur</i>
108	1108	SHRI	MULLA ARBAJ LIYAKAT	<i>M. Arbaz</i>
109	1109	SHRI	MULLA MUSTFA MAHAMOHANIF	<i>Mustafamj</i>
110	1110	MISS	MULLA RIZA KALANDAR	<i>R. Zambur</i>
111	1111	MISS	MULLA SANIYA MOULA	<i>M. Sania</i>
112	1112	SHRI	NADAF ARBAJ HABIB	<i>N. Arbaz</i>
113	1113	SHRI	NADAF JUBER AJIJ	<i>J. A. Nadeef</i>
114	1114	MISS	NAIK POOJA BHIMA	<i>P. N. B.</i>
115	1115	MISS	NALAWADE AISHWARYA POPAT	<i>A. P. Nalawade</i>
116	1116	SHRI	NALAWADE SHUBHAM ANIL	<i>S. A. Nalawade</i>
117	1117	MISS	NALAWADE SNEHAL SAMPATRAO	<i>S. Nalawade</i>

Participants Distribution		
Gender	Male	
	Female	
Total		117



(Mr. R.S. Mote)

Course Coordinator



(Mr. R.B. Mankar)

Head

“ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार” - शिक्षण महर्षी डॉ. बापूजी साळंखे

Shree Swami Vivekanand Shikshan Sanstha, Kolhapur

Padmabhushan Dr. Vasantraodada Patil Mahavidyalaya, Tasgaon

DEPARTMENT OF HINDI

CERTIFICATE COURSE IN TRANSLATION

2020-21

Result

Sr. No.	Roll No.	Gender	Name of the Student	Marks Out of 60	Marks Out of 40
1	1001	SHRI	ASANGI SHEKHAR TUKARAM	40	22
2	1002	MISS	BHANDARE JYOTI BABASO	42	29
3	1003	SHRI	CHAVAN AMOL ASHOK	48	28
4	1004	MISS	JADHAV RUPALI RAVSAHEB	50	22
5	1005	SHRI	JADHAV YOGESH NAMDEV	52	22
6	1006	MISS	KAMBLE POOJA SATISH	54	29
7	1007	MISS	KAMBLE SWAPNALI MAHESH	56	26
8	1008	MISS	KIRTAOKAR KOMAL ANIL	57	22
9	1009	SHRI	MADANE SURAJ GOKULCHAND	58	26
10	1010	SHRI	MULLA IBRAHIM MAHAMADHANIF	59	22
11	1011	MISS	PATIL DHANASHRI SHANKAR	56	28
12	1012	MISS	PATIL DIPALI YASHWANT	56	30
13	1013	MISS	PATIL GEETA SURESH	59	32
14	1014	MISS	PATIL NIKITA NARENDRA	55	31

15	1015	SHRI	PATIL PRATIK MAHADEV	55	26
16	1016	SHRI	PATIL RUSHIKESH VIJAYKUMAR	54	28
17	1017	MISS	PATIL SONALI SUNIL	52	30
18	1018	SHRI	SHINDE VISHAL BHASKAR	54	32
19	1019	SHRI	WAGH SWAPNIL UTTAM	55	34
20	1020	SHRI	KAMBLE ADITYA MILIND	52	36
21	1021	MISS	KAMBLE AMRUTA SHIVAJI	51	38
22	1022	SHRI	KAMBLE BHUSHAN PRAKASH	52	22
23	1023	SHRI	KAMBLE PREM VISHWANATH	54	26
24	1024	MISS	KAMBLE PRITI POPAT	48	28
25	1025	SHRI	KAMBLE ROHIT YASHWANT	55	30
26	1026	MISS	KAMBLE RUTUJA SHEKHAR	44	32
27	1027	MISS	KAMBLE SNEHAL VINOD	51	32
28	1028	SHRI	KAMBLE SWANAND DAYANAND	50	30
29	1029	SHRI	KAMBLE SWAPNIL KISHOR	52	32
30	1030	MISS	KAMBLE SWITI VIKRAM	56	30
31	1031	MISS	KAMBLE UJWALA SHANKAR	54	30
32	1032	SHRI	KAMBLE VISHAL ANANDA	50	32
33	1033	SHRI	KAPASE SHUBHAM KUNDLIK	48	31
34	1034	SHRI	KATKAR DIPAK GAJANAN	42	32
35	1035	SHRI	KHABALE ANIKET HARIDAS	46	31

36	1036	SHRI	KHADE OMKAR MAHAVIR	52	26
37	1037	MISS	KHAIRMODE AARTI DIPAK	54	29
38	1038	MISS	KHARADE PRAGATI ASHOK	51	26
39	1039	SHRI	KHARADE VAIBHAV SAMBHAJI	52	22
40	1040	SHRI	KHARAMATE VISHAL RAMESH	50	28
41	1041	SHRI	KHARAT SUDARSHAN SHRIKANT	52	30
42	1042	MISS	KHARMATE TANUJA BANDU	48	32
43	1043	SHRI	KHOT KOUSTUBH JITENDRA	52	38
44	1044	SHRI	KOLEKAR RAHUL GAJANAN	48	32
45	1045	SHRI	KOLI PRATHMESH TANAJI	51	36
46	1046	SHRI	KUMBHAR ABHISHEK NANDKUMAR	42	30
47	1047	MISS	KUMBHAR MONIKA SUDHIR	46	32
48	1048	SHRI	LAD AKASH RAMCHANDRA	48	31
49	1049	MISS	LANDAGE PRANALI PANDURANG	49	30
50	1050	SHRI	LOKHANDE OMKAR ASHOK	50	31
51	1051	SHRI	LOKHANDE PRASAD SURYAKANT	51	32
52	1052	SHRI	MALI OMKAR RAJENDRA	52	30
53	1053	SHRI	MADANE ATUL APPASO	54	28
54	1054	MISS	MADANE KOMAL RAMESH	56	30
55	1055	MISS	MADANE NIKITA RAJENDRA	55	31
56	1056	MISS	MADANE POOJA CHANDRAKANT	52	30

57	1057	MISS	MAGDUM SAKSHI SANTOSH	52	30
58	1058	SHRI	MAHAJAN PRADDMAN PRAKASH	59	32
59	1059	SHRI	MALI ANIKET SAVANTA	48	30
60	1060	SHRI	MALI ARJUN SANJAY	45	32
61	1061	MISS	MALI ASAVARI BALASAHEB	46	30
62	1062	SHRI	MALI ATUL VITTHAL	40	32
63	1063	SHRI	MALI GAUTAM SUNIL	42	30
64	1064	SHRI	MALI MAHESH ASHOK	46	32
65	1065	MISS	MALI POONAM RAJKUMAR	44	30
66	1066	MISS	MALI PRANALI PRAMOD	45	32
67	1067	SHRI	MALI RUSHIKESH VIJAY	48	30
68	1068	SHRI	MALI SATYJEET MACHINDRA	50	30
69	1069	SHRI	MALI SAURABH AVINASH	51	28
70	1070	MISS	MALI SHITAL BALASAHEB	52	30
71	1071	SHRI	MALI SHIVAM SANJAY	56	31
72	1072	SHRI	MALI SWAPNIL CHANDRAKANT	59	32
73	1073	MISS	BALLAL PALLAVI SHANKAR	56	28
74	1074	SHRI	MALI VISHAL SAMBHAJI	40	22
75	1075	SHRI	MANDALE DHIRAJ MADHUKAR	42	21
76	1076	MISS	MANDALE SUCHITA PRAKASH	45	26
77	1077	SHRI	MANDALE SURAJ ANKUSH	46	24

78	1078	SHRI	MANDLE OMKAR PANDURANG	28	22
79	1079	SHRI	MANDLE RAHUL SANJAY	30	29
80	1080	SHRI	MANDLE VISHAL ARJUN	32	28
81	1081	SHRI	MANE ABHIJEET CHANDRAKANT	39	28
82	1082	SHRI	MANE ABHIJEET RAJENDRA	36	30
83	1083	MISS	MANE AKSHADA NAMDEV	38	32
84	1084	MISS	MANE BHARATI ARJUN	40	36
85	1085	MISS	MANE KAJAL SUBHASH	42	38
86	1086	SHRI	MANE KISHOR SUBHASH	46	30
87	1087	MISS	MANE PRATIBHA POPATRAO	52	32
88	1088	SHRI	MANE RAHUL BHAGWAN	51	36
89	1089	SHRI	MANE SANGAPPA VITTHAL	56	39
90	1090	SHRI	MANE SHUBHAM JALINDAR	58	32
91	1091	SHRI	MANE SHUBHAM PANDHARINATH	59	31
92	1092	MISS	MANE SNEHA DIPAK	50	32
93	1093	MISS	MISAL SUMITRA RAJKUMAR	52	30
94	1094	MISS	MOHITE ANKITA BALASO	48	31
95	1095	MISS	MOHITE RESHMA RAMESH	48	32
96	1096	MISS	MOHITE RUTUJA HANMANT	50	30
97	1097	SHRI	MOKASHI MAHAVIR BABASO	52	31
98	1098	SHRI	MOMIN ASHRAF SAJID	52	31

99	1099	MISS	MORE PRANALI AJIT	41	22
100	1100	SHRI	MORE PRATIK SANJAY	46	24
101	1101	SHRI	MUJAWAR ASIF KHALIL	48	26
102	1102	SHRI	MULANI ALFAJ NOUSHADALI	44	28
103	1103	SHRI	MULANI RIYAJ HAJISAB	45	30
104	1104	MISS	MULANI RUTUJA LALASO	46	32
105	1105	MISS	MULANI SAMINABI SHABBIR	50	30
106	1106	MISS	MULANI SANIYA FIROJ	52	31
107	1107	SHRI	MULANI SUHEL ISMAIL	55	32
108	1108	SHRI	MULLA ARBAJ LIYAKAT	56	31
109	1109	SHRI	MULLA MUSTFA MAHAMOHANIF	58	30
110	1110	MISS	MULLA RIZA KALANDAR	48	32
111	1111	MISS	MULLA SANIYA MOULA	45	30
112	1112	SHRI	NADAF ARBAJ HABIB	48	31
113	1113	SHRI	NADAF JUBER AJIJ	46	32
114	1114	MISS	NAIK POOJA BHIMA	50	30
115	1115	MISS	NALAWADE AISHWARYA POPAT	52	31
116	1116	SHRI	NALAWADE SHUBHAM ANIL	56	30
117	1117	MISS	NALAWADE SNEHAL SAMPATRAO	50	32



Mr. R.S. Mote
Course Coordinator

मनुवाद पदवीका पुमाणपत्र नाव:- उमा केशवान चव्हाण

वर्ग :- B.A. III
रोल नं. 3618 (72)

- 1) भारत जैसे देश में बहुभाषा स्थिती है।
- 2) काव्यानुवाद काव्य का अनुवाद माना जाता है।
- 3) वैज्ञानिक अनुवाद में शैली को महत्व नहीं होता।
- 4) 'मन छोड़ो मत लोड़ो' अनुवाद सुत्र डॉ. मोलानाथ तिवारी का है।
- 5) अंचार भाष्यमो की भाषा जन भाषा के निकट होती है।
- 6) मनुवाद को कम से दो भाषाओं का अच्छा ज्ञान होता है।
- 7) मनुवाद शब्द का संबंध वद घात से है।
- 8) कार्यालय अनुवाद के लिए अभिद्य गुण अपेक्षित है।
- 9) भाषांतर पुनीकांतर का प्रकार है।
- 10) अर्थनिर्धारण में संदर्भ को जग्य सबसे महत्वपूर्ण कहा जा सकता है।

उ. 2 कार्यालयीन अनुवाद :

भा)

कार्यालयीन अनुवाद में एक भाषा की कार्यालय संबंधी सामग्री को दूसरी भाषा में अनुवाद किया जाता है। कार्यालय के सभी कागजात सरकारी पत्र परिपत्र, सूचनाएँ, आदेश सूचनाएँ, नियमन, अधिनियम, नुस्खे, विज्ञापितियाँ, प्रालेखन, रिपोर्ट, धिजापत्र, प्रतिवेदन पत्र, उम्माणपत्र, प्रारवेदन पत्र आदि का अनुवाद किया जाता है। कार्यालयों के जगजादों को प्रादेशिक भाषा हिंदी और अंग्रेजी इन तीनों भाषाओं में अनुवाद करनेकी कार्यालयीन व्यवहार किया जा सकता है। कार्यालयीन अनुवाद की भाषा तकनीकी नहीं होती है। भाषा में सभी प्रमुख व्यक्त करने की समता होने चाहिए। कार्यालयीन अनुवाद की भाषा शब्दों के अर्थ स्पष्ट और निःसंदिग्ध व्यक्त कर सकते हैं।

भारत जैसे बहुभाषिक देश में इस प्रकार का अनुवाद अनिवार्य हो जाता है। केंद्र सरकार, राज्य सरकार, संसद विभिन्न मंत्रालय आदि में द्विभाषा विद्यती (त्रिभाषा एत) के कारण कार्यालयीन अनुवाद के बिना काम नहीं चलता। अन्य देशों की शासन व्यवस्था से परिचित होने की लिए भी यह पर अनुवाद उपयोगी है।

उ. 3) काव्यानुवाद I

काव्यरचना का अनुवाद काव्यानुवाद कहलाता है। काव्यानुवाद गद्य, पद्य, या मुक्त छंद में भी किया जाता है। श्री अरविंद के अनुसार 'काव्यानुवाद कार्य केवल शब्दों को लक्ष्य भाषा में झरना मात्र नहीं है। बल्कि उसके छंद, काव्यसौंदर्य एवं शैली की विशेषताओं की भी पुनर्रचना करनी होती है।

काव्यानुवाद की मूल पाठ शैली अर्थ, लय, ध्वनी, संगीत को भी अनुवादित करना होता है। मूल कवी के भावना में प्रवेश करना होता है यह एक पुनः सदान की रचना है। आवुक अनुवादक ही यह काम करता है। अनुवाद के लिए यह विद्या

उल्लेखनीय हैं। महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक कविता का अंतर्गत माना है। काव्यानुवाद में स्रोत भाषा विशेषों को लक्ष्य भाषा में भी ममादिन रखा जाता है।

संसार

संसार माध्यम अनुवाद -

एक भाषा के संचार माध्यमों की सामग्री को दूसरी भाषा में अनुवाद किया जाता है। आजकल संचार माध्यमों में देश की विकसित में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। संचार माध्यमों के द्वारा लोग देश विदेश, नगर नगर दुनिया की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। विश्व में विविध भाषाएँ होने के कारण संचार माध्यमों के अनुवाद की आवश्यकता महसूस हुई। इस प्रकार के अनुवाद में दैनिक समाचार पत्र, पत्र, पत्रिका, इंटरनेट, आकाशवाणी, संगठक, इंटरनेट आदि स्रोतों की जानकारी इन संचार माध्यमों में होती है। इसके अंतर्गत राजनीति, व्यापार, खेल, विज्ञान, आदि विषयों से संबंधित सभी विषय क्षेत्रों एवं गति-विधियों की सामग्री होती है। जिसका अनुवाद अनेक्य प्रकारों तक कम समय में पारान्याना होता है। नवी खेल उपलब्धी, समाचार, संदेश, आवाहन आदि को अनुवाद करने समय कोई त्रुटि नहीं रहनी चाहिए जिससे हंगाम खड़ा हो जाय। संचार माध्यम दैनिक जीवन के अंग बन गये हैं। इन माध्यमों से जनता का स्नेह, उत्कर्ष लभाव स्थापित हो गया है। संचार माध्यमों के अनुवाद संप्रेषण, सुस्पष्ट बोधगम्य, उच्चारणोत्पादक, सुचलापरक होने चाहिए। विशेषकर जैसे किष्म, समाचार खेलकूद, व्यापार राजनीति, आंतरराष्ट्रीय गतिविधियाँ, शिक्षा, विज्ञान स्वास्थ्य, आदि आ आर है। विशेषतः अपने विषय और उनके अनुवाद में अलगना और सतकता बरताने है।

पु 3

मनुवाद के प्रकार -

मा]

साहित्य विधी के आधार पर -

अध्यायन के लिए दिये गए प्रकार - 1) काव्यानुवाद
2) नाट्यानुवाद 3) कथानुवाद.

1) काव्यानुवाद -

काव्यानुवाद का अनुवाद, काव्यानुवाद कहलाता है। काव्यानुवाद गद्य, पद्य, मुक्त छंद में भी किया जाता है। श्री भरविंद के अनुसार "काव्यानुवाद का अर्थ अनुसार 'काव्यानुवाद का कार्य केवल मूल के शब्दों को लक्ष्य भाषा में उतरना मात्र नहीं है। बल्कि उसके बिंब, काव्यसौंदर्य एवं शैली की विशेषताओं की पुनर्रचना करना लेती है।

काव्यानुवाद में मूल पाठ शैली, अर्थ, छंद, लय संगीत को भी अनुवादित करना लेता है। मूल कवी की भावना में प्रवेश करना लेता है। यह एक पुनः सृजन की प्रक्रिया है। भावुक अनुवाद ही यह काम करता है। अनुवाद के लिए यह विधा कष्टसाध्य है। महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्त कविता का अनुवाद इसके अंतर्गत आता है। काव्यानुवाद में स्रोत भाषा सौंदर्य को लक्ष्य भाषा को भी भाषाघीत रखा जाता है।

2) नाट्यानुवाद :-

नाटक विद्या का नाटक में किया गया अनुवाद नाट्यानुवाद कहलाएगा। कहानी या उपन्यास का भी नाटक में अनुवाद किया जाता है। पर उसे नाट्यरूपान्तर करते हैं। उमयंद की कहानियों नाट्यरूपान्तरण किया गया है। मन्ू आंडारी ने अपने महाभोजन उपन्यास का नाट्यरूपान्तरण किया है। नाटक में पाद्य और रंगमंच दो पहलू होते हैं। मूल नाटक के पाठ का अनुवाद और रंगमंच की दृष्टि से भी अन्का अनुवाद करना आवश्यक है। इसके लिए रंगमंच की पूर्ण जानकारी अनुवाद को लेनी चाहिए। नाट्यानुवाद में लक्ष्य भाषा में अभिनेयता सुरक्षित रखनी चाहिए।

3) कथानुवाद :-

कथा साहित्य का कथा साहित्य में किया गया अनुवाद कथानुवाद कहलाता है। रत्नोत्तम भाषा का उपन्यास या कहानिका लक्ष भाषा में भी उपन्यास या कहानी में अनुवाद, कथानुवाद कहलाएगा। इसके अंतर्गत लघुकथा कहानी लघु उपन्यास या बृहत् उपन्यास तक का अनुवाद किया जाता है। साथ ही साथ रत्नोत्तम भाषा उपन्यास या कहानी की सामाजिक परिस्थिती, संस्कृती, संदर्भ, पात्रों के नामों के सिद्धांतरण का ध्यान करना होता है। उपन्यास या कहानी की भाषागत विशेषताएँ जैसे अलंकार, काहावतें, मुहावरें, व्यंग्यात्मक, मौखिक शब्द आदि का भी अनुवाद किया जाना चाहिए। कहानी, उपन्यास के मूलवाद को अनुवाद करने समय धारा प्रवाह बौली में प्रस्तुत किया जाय जिससे वे सजीव लगे।

वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद :-

साहित्येत्तर अनुवाद जैसे वाणिज्य, रसायन, भौतिक सांख्यिकी, जीव, प्राणी, वनस्पती, पर्यावरण, खगोल भूगोल संगणक, यांत्रिकी, तथा अभियंत्रिकी जैसे अनेक विषयों को अनुवाद वैज्ञानिक अनुवाद कहलाता है। साहित्य अनुवाद की तुलना की तुलना में वैज्ञानिक अनुवाद कम हो रहे हैं। पर इस अनुवाद की आवश्यकता बढ़ रही है। विज्ञान का अधिकतर साहित्य अंग्रेजी या अन्य पाश्चात्य भाषाओं से अनुवादित किया जाता है। साहित्यिक अनुवाद में भाव प्रमुख होते हैं। किंतु वैज्ञानिक अनुवाद में विचार रत्नोत्तम भाषा में व्यक्त वैज्ञानिक एवं तकनीकी सामग्री को लक्ष्य अनुवादित करने समय ध्यान रखा जाता है कि मूल की शुधर्नाएँ सुरक्षित रहे। वैज्ञानिक अनुवाद के लिए वस्तुनिष्ठता और तथ्यपरक भाषा का प्रयोग किया जाता है। भाषा में स्पष्टता, संक्षेपता लेनी चाहिए। वैज्ञानिक एवं तकनीकीय अनुवाद में तथ्य महत्वपूर्ण होता है। हमारे देश में दिल्ली में वैज्ञानिक अनुवादकों का संगठन है। और युरोप में भी ऐसे संगठन हैं।

जो अपने पास इस प्रकार के विरोध अनुवाद-
को की सूची रखते हैं। तथा इसकी अधिक
जानकारी रखते हैं।

5) अनुवाद के वैज्ञानिक पक्ष;

Science: - knowledge systematic and formulated
knowledge branch
of knowledge organised body of the
knowledge that has been accumulated on
a subject

Ex - the science of genetics, ethics philology

सर्वातः विज्ञान का अर्थ किसी विषय का व्यवस्थित
एवं पारिभाषिक ज्ञान, उस ज्ञान कि किसी भाषा
अथवा उसके किसी विषय पर अर्जित ज्ञान को कहते हैं।
उत्पत्त इसी अर्थ में "विज्ञान" शिल्पशास्त्रों: ज्ञान
(मोक्षे चीजनिभन्मत्र विज्ञान विज्ञान शिल्पशास्त्रों)
(शिल्पयोगे अनेन इती शास्त्रम् "शास्त्रम्")

क) ज्ञान

ख) क्रमबद्ध और सिद्धांतों के रूप में अर्जित ज्ञान

ग) ज्ञान की भाषा

घ) इस ज्ञान का अर्जित स्वरूप जो किसी विषय पर
अपुनित अथवा एकत्रित हुआ है।

अनुवाद को अनुष्ठित भाषा विज्ञान की भाषा
माना जाता है। इसी अर्थ में उसे विज्ञान की
माना जाता है। न ही भौतिक - रसायन शास्त्र

के अर्थ में पूर्व की चिंतन प्रक्रिया तुलनात्मक
अथवा व्यतिरेकी भाषा - विज्ञान पर पूर्णता

भाषारित होती है। इस दृष्टि से भी अनुवाद को
विज्ञान मानना उचित है। भाषा विज्ञान के

अनुसार अनुवाद प्रक्रिया में पहले रसोत भाषा
में पाठ्य का विकोडिकरण (विरलेषण) किया

जाता है। तत्पश्चात् प्रयोग भाषा और लक्ष्य
भाषा का वैज्ञानिक पदचालिजे तुलनात्मक प्रयास

कर उसके विषय पाये जाने वाली समानता और
असमानताओं का पता लगाया जाता है। इसके

बाद प्राण अर्थ का कोडीकरण के माध्यम से
पाठ के रूप में पुनर्गठन किया जाता है।
अनुवाद की यह प्रक्रिया (बौद्धिवाज, रूप
से भावों में अनुवाद नहीं हो सकता।
इसी को सुजीन निडा ने दूसरे देगसे
समझाया है की अनुवाद के तीन स्तर होते हैं।
स्त्रोतभाषा के भावों का अनुवादक द्वारा ग्रहण
उसका मानसिक रूप से आधुनिकता, उसके बाद
सदरभाषा में उसके अभिव्यक्ति के अनुवाद
की प्रक्रिया के समस्त के स्तर पर विज्ञान
मानते हैं।

9.4 मनुवाद के गुण :-

1) विषय ज्ञान - मनुवादक को मनुवाद सामग्री के विषय के संपूर्ण ज्ञान होना के साथ ज्ञान करना नहीं कर पाएगा। तकनीकी वैज्ञानिक तथा विषय पुरान मनुवादों में उसका विषय का सम्यक ज्ञान होना बहुत ही अनिवार्य है। वैज्ञानिक मनुवाद में मुख्य पात्रों एवं घटनाओं के माध्यम से अभिव्यक्त किये गये सांस्कृतिक संस्था माध्यम संबंधित पुन्यदेशों से परिचित होना साथ ही मुख्यतः शिक्षाविद्यालय संस्था तथा विषय के परिपूर्ण ज्ञान के बिना किसी विद्वान द्वारा किया गया मनुवाद की वास्तव्यद एवं अदर हो सकता है।

2) स्रोत भाषा का मूलभूत ज्ञान :-

हर एक मनुवाद के लिए यह बुनियादी आवश्यक है। किसी भाषा का अच्छा ज्ञान ही ताकी वह उन में व्यक्त भावों को पूरी तरह से समझ सके। स्रोत भाषा की प्रवृत्ति प्रकृति, संस्कृति अभिव्यक्ती शक्ति भादि- बातों से अच्छी परिचित होना चाहिए। इन बातों की कोशगत सामान्य जानकारी की अपेक्षा में एक ठीकी महत्वपूर्ण है। शब्द चयनका पुरा शब्दों के सही ज्ञान पर ही आधारित होता है। यदि वह मूलरचना प्रयुक्त किये गए शब्दों के अर्थ वारीक न समझ सके उनकी संकल्पनाएं उसके सामने स्पष्ट नहीं हों। तो कभी कभी वह उपयुक्त शब्दों का चयन नहीं कर सकते।

3) लक्ष भाषा पर अधिकार :-

मनुवाद के स्रोत भाषा के साथ-साथ लक्ष भाषा पर भी पुरा अधिकार होना जितना आवश्यक है। उसमें समान प्रभाव तथा संदर्भ को व्यक्त करने वाला शब्दों को लक्ष्य भाषा में निकालने की क्षमता होनी चाहिए।

अनुवाद का दोनो अंगों पर किना अधिकार है। यह उन काम के उदाहरण है।

उह किन्ती कुशलता से अनुवादकार को पर्याप्त सिकता उनके अंकुश अनुवाद ही करना हुम्न होगा।

4) भाषा की शक्ति से परिचय -

अनुवाद का उद्योग भाषा तथा लक्ष भाषा के शब्दों के अर्थ की सामूहिक जानकारी से काम लाने चाहेगा। सफल अनुवाद के लिए शब्दों की शक्ति और उनके परिवेश सुद्ध और सही जानकारी भी होना। मन्वरा वह उद्योग भाषा के साथ साथ लाने कर सकेगा। इन दोनो भाषा का प्रयोग होई, वरे और अमान पर लक्ष भाषा के व्यक्तियों के लिए एक समान किया जा सकता है।

अंग्रेजी का अर्थ वाक्य It was raining cats and dogs

का हिंदी में शब्दानुवाद होगा - 'धिल्ली और कुनो की बरसात हो रही थी। इसी कारण इसका सही अनुवाद लेना चाहिए - मुसलधार बरसात हो रही थी। यह अनुवाद मुल पाठ से भाषा के अर्थ एवं संदुलित अभिव्यक्ति प्रदान करता है।

5) मूल लेखक के साथ सादात्म्य -

अनुवाद का मूल लेखक तथा उसकी कृति के साथ होना बहुत ही महत्वपूर्ण है। यद्यपि के अनुवाद करने समय सटथ्य भाव रखना चाहिए। फिर भी उनकी भाषा के माध्यम से द्वारा उन भाषा - भाषी के प्रति अपने को भावार्पित करना पड़ता है। उद्विल के अर्थकार अनुवादों की सफलता का रहस्य ही, पाल ही वर्गीज के अनुसार अनुवाद को और मूल लेखक से परस्पर सादात्म्य है। ऐसे स्थलों पर अनुवाद एक अहमदय पाठक तथा सख्त दोनो हो जाना है। वह मूल लेखक की भाषा के साथ साथ एकाकार योग - प्रक्रिया दोनों से जाना है। उह मूल लेखक की भाषा के साथ एकाकार होने योग - प्रक्रिया अपनाता है।

देशभक्ति का अर्थ यह होना है। की हम
जिस देश में जन्म लिया है। और
जिस देश में रहते हैं। हमारे परिवार
और दोस्तों के साथ। यह देश या
देशभक्ती हमारे राष्ट्रीय और
सांस्कृतिक जो हिस्से शिवाज है। और
यह बलाने की जेवा होना है।
और वही उमिसे हमारे देश में जो
भी सरकार है। उनके काम करने
का तरीका देखकर हम अच्छा लगता
है। और शासन हमारा समान हमारी
संस्कृती का रक्षण और देशभक्ती
समाज के कल्याण के लिए
माझंड और देश के हित और देश
को भागे बरने के लिए और देश का
भविष्य के लिए शासन यह बरक
जिम्मेदारी लेना है। और इससे सामान्य
में और हमारे बहुमत समान में और
हमारे राष्ट्रीय स्वातंत्र्य और भौतराष्ट्रीय
संस्कृतीका विकास लेना है।



"Dissemination of Education for Knowledge, Science & Culture"
Shikshamaharshi Dr. Bapuji Salunkhe



Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha, Kolhapur's
PADMABHUSHAN DR. VASANTRAODADA PATIL MAHAVIDYALAYA, TASGAON, DIST.-SANGLI (M.S.)
SANSTHAMATA SUSHILADEVI SALUNKHE ENTREPRENEURSHIP AND
SKILL DEVELOPMENT CENTER

CERTIFICATE

This is to certify that Shri/Smt./Miss Uma Bhagwan chavan.
Class B.A. III has successfully completed the certificate course in
Anuvad certificate course
conducted by the department of HINDI.
during the academic year 2020-21

Head

Co-ordinator

Principal